# पाठ्यक्रम

बिहार मुक्त विद्यालयी शिक्षण एवं परीक्षा बोर्ड उन सभी को माध्यमिक एवं उच्च माध्यमिक स्तर तक की शिक्षा के अवसर प्रदान करता है जो विभिन्न कारणों से विद्यालयी शिक्षा पूरी नहीं कर पाए हैं। यह संस्थान ऐसे शिक्षार्थियों की जरूरतों को पूरा करने के लिए जीवन उपयोगी पाठ्यक्रम चलाता है। उपर्युक्त धारणा को ध्यान में रखते हुए ही निम्नलिखित पाठ्यक्रम प्रारम्भ किये गये हैं।

## पाठ्यक्रम तथा कार्यक्रम का संक्षिप्त विवरण

बिहार मुक्त विद्यालयी शिक्षण एवं परीक्षा बोर्ड, पटना, बिहार विद्यालय परीक्षा समिति, पटना, एन०आई०ओ०एस०, नोएडा, सी०बी०एस०ई०, नई दिल्ली अथवा अन्य राज्यों के शिक्षा बोर्डों की तरह एक बोर्ड है। वर्तमान में बिहार मुक्त विद्यालयी शिक्षण एवं परीक्षा बोर्ड, पटना में निम्नांकित पाठ्यक्रम प्रारम्भ किये गये हैं।

- कक्षा-10 के लिए माध्यमिक पाठ्यक्रम
- कक्षा-12 के लिए उच्च माध्यमिक पाठ्यक्रम

माध्यमिक पाठ्यक्रम के लिए न्यूनतम आयु 14 वर्ष एवं उच्च माध्यमिक पाठ्यक्रम के लिए न्यूनतम आयु 15 वर्ष।

## माध्यमिक पाठ्यक्रम

यह पाठ्यक्रम दसवीं कक्षा के लिए निर्धारित है। माध्यमिक पाठ्यक्रम के 18 विषयों में से किसी भी 5 विषयों के चयन की सुविधा है। इसमें निम्नलिखित पात्रता वाले शिक्षार्थी प्रवेश/पंजीकरण के योग्य हैं।

## न्यूनतम आयु :

प्रवेश के समय माध्यमिक पाठ्यक्रम हेतु न्यूनतम आयु (1) **प्रथम शैक्षिक सत्र** (01 मार्च.....से 31 अगस्त..... तक) जिसकी परीक्षा अगले वर्ष जून/जुलाई में आयोजित होगी। शिक्षार्थी का प्रवेश (नामांकन/पंजीयन) के समय 31 अगस्त को न्यूनतम आयु 14 वर्ष पूर्ण होनी चाहिए।

(2) **द्वितीय शैक्षिक सत्र** (01 सितम्बर.....से 28/29 फरवरी.....) जिसकी परीक्षा उसी वर्ष दिसम्बर/जनवरी मं होगी। शिक्षार्थी का प्रवेश (नामांकन/पंजीयन) के समय 28/29 फरवरी को न्यूनतम आयु 14 वर्ष पूर्ण होनी चाहिए।

**न्यूनतम शैक्षिक योग्यता :**

9वीं एवं इससे पूर्व की किसी भी कक्षा में उत्तीर्ण/अनुत्तीर्ण तथा माध्यमिक कक्षा अनुत्तीर्ण शिक्षार्थी प्रवेश के पात्र होंगे अथवा ऐसे शिक्षार्थी जो विद्यालयी शिक्षा से वंचित रहे हैं, वे स्व-अध्ययन का प्रमाण पत्र संलग्न कर प्रवेश के पात्र होंगे।

**उच्च माध्यमिक पाठ्यक्रम**

12वीं कक्षा के लिए निर्धारित इस पाठ्यक्रम के अन्तर्गत 28 विषयों में से किसी भी 5 विषयों के चयन की सुविधा है। इसमें निम्नलिखित पात्रता वाले शिक्षार्थी प्रवेश/पंजीकरण के योग्य हैं।

**न्यूनतम आय :**

1. **प्रथम शैक्षिक सत्र उच्च माध्यमिक** (1 मार्च .....से 31 अगस्त.....) जिसकी परीक्षा अगले वर्ष जून/जुलाई में आयोजित होगी । शिक्षार्थी का प्रवेश (नामांकन/पंजीयन) के समय आयु 31 अगस्त को 15 वर्ष पूर्ण होनी चाहिए।
2. **द्वितीय शैक्षिक सत्र** (01 सितम्बर.....से 28/29 फरवरी.....) जिसकी परीक्षा उसी वर्ष दिसम्बर/जनवरी में होगी। 28/29 फरवरी को शिक्षार्थी की आयु प्रवेश (नामांकन/पंजीयन) के समय 15 वर्ष पूर्ण होनी चाहिए जबकि प्रवेश के लिए अधिकतम आयु सीमा नहीं है।

**न्यूनतम शैक्षिक योग्यता :**

बिहार विद्यालय परीक्षा समिति, बिहार, पटना एवं किसी अन्य मान्यता प्राप्त बोर्ड से माध्यमिक उत्तीर्णता का प्रमाण-पत्र आवश्यक है। उच्च माध्यमिक पाठ्यक्रम हेतु आयु का कोई भी अन्य प्रमाण-पत्र मान्य नहीं होंगे।

| **(क) आयु सम्बन्धी आवश्यक योग्यताएँ** | |
|---|---|
| **माध्यमिक पाठ्यक्रम**<br>न्यूनतम आयु- प्रथम शैक्षिक सत्र (01 मार्च से 31 अगस्त तक) जिसकी परीक्षा अगले वर्ष में आयोजित होगी। शिक्षार्थी का नामांकन/पंजीयन 31 अगस्त को न्यूनतम 14 वर्ष पूर्ण होनी चाहिए।<br>द्वितीय शैक्षिक सत्र - (01 सितम्बर.....से 28/29 फरवरी को न्यूनतम 14 वर्ष पूर्ण होनी चाहिए।)<br>**आयु प्रमाण-पत्र**<br>पिछले विद्यालय के प्रवेश रजिस्टर से जहाँ पढ़ाई समाप्त की है, का स्कूल छोड़ने का प्रमाण-पत्र/मूल स्थानांतरण प्रमाण पत्र (T.C.)<br>अथवा | **उच्च माध्यमिक पाठ्यक्रम**<br>न्यूनतम आयु - प्रथम शैक्षिक सत्र (01 मार्च.....से 31 अगस्त.....) जिसकी परीक्षा अगले वर्ष जून/जुलाई में आयोजित होगी। शिक्षार्थी का प्रवेश (नामांकन/पंजीयन) के समय आयु 31 अगस्त को 15 वर्ष पूर्ण होनी चाहिए।<br>द्वितीय शैक्षिक सत्र - (01 सितम्बर.....से 28/29 फरवरी.....) जिसकी परीक्षा उसी वर्ष दिसम्बर/जनवरी में होगी। 28/29 फरवरी को शिक्षार्थी की आयु प्रवेश (नामांकन/पंजीयन) के समय 15 वर्ष पूर्ण होनी चाहिए। जबकि प्रवेश के लिए अधिकतम आयु सीमा नहीं है। |

| | |
|---|---|
| रजिस्ट्रार, मृत्यु एवं जन्म कार्यालय द्वारा जारी जन्म प्रमाण पत्र की सत्यापित प्रति।<br>राजकीय चिकित्सालय से जारी जन्म प्रमाण पत्र (जिसमें जन्मतिथि अंकित हो।)<br>अथवा<br>माता-पिता द्वारा शपथ-पत्र जो प्रथम श्रेणी/ सब-डिविजनल मजिस्ट्रेट/ कार्यपालक दण्डाधिकारी द्वारा हस्ताक्षर किया गया हो। (जिसमें जन्मतिथि अंकित हो।) | **आयु प्रमाण -पत्र**<br>किसी मान्यता प्राप्त माध्यमिक परीक्षा की अंक तालिका एवं प्रमाण पत्र की सत्यापित प्रति जिसमें जन्मतिथि अंकित हो।<br>(उच्च माध्यमिक प्रवेश हेतु आयु का माध्यमिक परीक्षा प्रमाण पत्र या अंक तालिका की सत्यापित प्रति के अतिरिक्त अन्य कोई प्रमाण पत्र मान्य नहीं होगी।) |

नोट :

(1) **उच्च माध्यमिक परीक्षा के आवेदन के लिये जिस शिक्षार्थी ने माध्यमिक परीक्षा इसी वर्ष अप्रैल-मई, 2020 में उत्तीर्णता प्राप्त की है, वह दिसम्बर-जनवरी, 2020-21 में होने वाली परीक्षा में केवल चार विषय की ही परीक्षा देने के पात्र होंगे। परीक्षा के लिए भरे जाने वाले विषयों में शिक्षार्थी किन्हीं चार विषयों को भरेंगे परन्तु पंजीकरण पाँच विषयों में ही होगा। ऐसे शिक्षार्थी अतिरिक्त विषय नहीं ले सकते हैं।**

(2) **माध्यमिक एवं उच्च माध्यमिक कक्षा में प्रवेश लेने वाले पूर्व उत्तीर्ण/अनुत्तीर्ण नियमित (Regular) शिक्षार्थी अपनी मूल टी0सी0 अवश्य संलग्न करें।**

**माध्यमिक पाठ्यक्रम**

यह पाठ्यक्रम 10वीं कक्षा के लिए निर्धारित है। माध्यमिक पाठ्यक्रम के 18 विषयों में से विषय का चयन तालिका-1 में दिए गए विषयों में से किया जा सकता है।

- प्रमाण-पत्र प्राप्त करने के लिए कम से कम 5 विषयों में उत्तीर्ण होना जरूरी है जिसमें ग्रुप 'अ' से न्यूनतम एक अथवा अधिकतम दो भाषाएँ और शेष विषय ग्रुप 'ब' से चुनें।

- किसी ग्रुप से दो अतिरिक्त विषय अथवा दोनों ग्रुप में से एक-एक अतिरिक्त विषय भी ले सकते हैं।

- भाषा का कोई भी तीसरा विषय अतिरिक्त विषय के रूप में ही लिया जा सकता है। इस प्रकार अधिकतम सात विषयों का चयन कर सकते हैं।

## तालिका-1

| माध्यमिक स्तर | | | |
|---|---|---|---|
| समूह (ग्रुप) 'अ' | | समूह (ग्रुप) 'ब' | |
| कोड | विषय | कोड | विषय |
| (201) | हिन्दी | (215) | गणित |
| (202) | अंग्रेजी | (216) | विज्ञान* |
| (203) | उर्दू | (217) | सामाजिक विज्ञान |
| (204) | संस्कृत | (218) | योग एवं शारीरिक शिक्षा* |
| (205) | भोजपुरी | (219) | व्यवसाय अध्ययन |
| (206) | मैथिली | (220) | गृह विज्ञान* |
| (207) | बंगला | (221) | बेसिक कम्प्यूटर* |
| (208) | अरबी | (222) | भारतीय सांस्कृतिक तथा विरासत |
| (209) | फारसी | (223) | चित्रकला* |

**उच्च माध्यमिक पाठ्यक्रम**

यह पाठ्यक्रम उन शिक्षार्थियों के लिए है जो 10वीं परीक्षा अथवा उसके समकक्ष परीक्षा उत्तीर्ण कर चुके हैं और उच्च माध्यमिक (12वीं) का प्रमाण-पत्र प्राप्त करने के लिए अध्ययन जारी रखना चाहते हैं। उच्च माध्यमिक पाठ्यक्रम के 28 विषयों में से विषय का चयन तालिका-1 में दिए गए विषयों में से किया जा सकता है।

- प्रमाण-पत्र प्राप्त करने के लिए कम-से-कम 5 विषयों में उत्तीर्ण होना जरूरी है। जिसमें ग्रुप 'अ' में से कम-से-कम एक भाषा अथवा अधिकतम दो भाषाएँ और शेष विषय ग्रुप 'ब' में से चुनें।
- किसी भी ग्रुप से दो अतिरिक्त विषय अथवा दोनों ग्रुप में से एक-एक अतिरिक्त विषय भी ले सकते हैं।
- भाषा का कोई भी तीसरा विषय अतिरिक्त विषय के रूप में हीं लिया जा सकता है।
- अधिकतम 7 विषयों का चयन कर सकते हैं।

## तालिका-2

| उच्च माध्यमिक स्तर | | | |
|---|---|---|---|
| समूह (ग्रुप) 'अ' | | समूह (ग्रुप) 'ब' | |
| कोड | विषय | कोड | विषय |
| (301) | हिन्दी | (310) | गणित |
| (302) | अंग्रेजी | (311) | भौतिक विज्ञान* |
| (303) | उर्दू | (312) | रसायन विज्ञान* |
| (304) | संस्कृत | (313) | जीव विज्ञान* |
| (305) | भोजपुरी | (314) | इतिहास |
| (306) | मैथिली | (315) | भूगोल* |
| (307) | बंगला | (316) | राजनीति विज्ञान |
| (308) | अरबी | (317) | अर्थशास्त्र |
| (309) | फारसी | (318) | व्यवसाय अध्ययन |
| | | (319) | लेखाशास्त्र |
| | | (320) | गृह विज्ञान* |
| | | (321) | मनोविज्ञान* |
| | | (322) | कम्प्यूटर विज्ञान* |
| | | (323) | समाजशास्त्र |
| | | (324) | शिक्षा |
| | | (325) | दर्शनशास्त्र |
| | | (326) | चित्रकला* |
| | | (327) | संगीत* |
| | | (328) | योग एवं शारीरिक शिक्षा* |

**नोट :**

(i) स्टार (*) द्वारा दर्शाये गये विषयों में सैद्धांतिक एवं प्रायोगिक दोनों परीक्षाएँ हैं।

(ii) पंजीयन के पाँच विषयों में से यदि तीन विषय भाषा से सम्बन्धित होंगे तो शिक्षार्थी का परीक्षा परिणाम रोक लिया जाएगा।

## पाठ्यक्रमों में विषय चयन

विषयों का चयन बहुत सावधानी से जीवन की भावी योजना, उच्च शिक्षा तथा रोजगार आदि को ध्यान में रखते हुए करना चाहिए। बिहार मुक्त विद्यालयी शिक्षण एवं परीक्षा बोर्ड, पटना के प्रमाण-पत्र से उच्च शिक्षा प्राप्त करने के लिए यह जरूरी है कि जिस बोर्ड/विश्वविद्यालय में प्रवेश अपनी संस्थाओं में प्रवेश प्राप्त करना चाहते हैं, उसकी शर्तों को ध्यान में रखते हुए विषयों का चयन करें। जैसे-कुछ

बोर्ड/विश्वविद्यालय अपनी संस्थाओं में प्रवेश के लिए कुछ 'विशेष विषयों' का संयोजन माँगते हैं। उदाहरण के लिए मेडिकल पाठ्यक्रम में प्रवेश हेतु रसायन विज्ञान, जीव विज्ञान और भौतिकी विज्ञान के साथ दो भाषाओं का विषय संयोजन आवश्यक है। इसी प्रकार इंजीनियरिंग पाठ्यक्रम में प्रवेश लेना चाहते हैं तो जीव विज्ञान के स्थान पर गणित विषय लेना अनिवार्य है।

बिहार मुक्त विद्यालयी शिक्षण एवं परीक्षा बोर्ड, पटना से शिक्षा प्राप्त करने की स्वतंत्रता में विश्वास करता है। आप अपनी पसंद के क्षेत्र में अपना विकास कर सकते हैं। उदाहरण के तौर पर माध्यमिक स्तर पर अर्थशास्त्र और व्यवसाय अध्ययन की पढ़ाई कर सकते हैं। उच्च माध्यमिक स्तर पर यदि भौतिकी विज्ञान और इतिहास दोनों विषयों में समान रूचि रखते हैं, तो इन दोनों विषयों का चयन कर सकते हैं। आंशिक प्रवेश में भी विषयों का चयन दी गई तालिका-1 में से हीं करें। प्रवेश लेने के बाद चयनित विषयों में प्रथम वर्ष में कोई परिवर्तन नहीं किया जाएगा।